

उद्योग निदेशालय की योजनात्मक योजनाओं का विवरण:-

1-पाषाण शिल्प सामान्य सुलभ सेवा केन्द्र पथरकट्टी, गया की योजना :- पाषाण शिल्प सामान्य सुलभ सेवा केन्द्र, 1985-86 में बनाया गया था जिसमें स्थानीय एवं बाहर से मँगाये गये पथरों से मूर्ति एवं अन्य सामान जैसे वर्तन, मोमबत्ती स्टैण्ड एवं अगरबत्ती स्टैण्ड तथा अन्य मूर्तियों का निर्माण किया जाता है। यह राज्य सरकार की योजना है। केन्द्र द्वारा बनाये गये सामानों को बाजार दर पर बेचा जाता है। इसमें स्थानीय शिल्पियों को भी रोजगार मुहैया होता है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य पाषाण शिल्पियों को पर्याप्त सहायता एवं मार्ग दर्शन देकर उन्हें रोजगारोन्मुख करना है।

2-भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला :- भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला का आयोजन आयोजन प्रत्येक वर्ष दिनांक 14-27 नवम्बर तक वाणिज्य मंत्रालय, भारत सरकार के अधीनस्थ आई0टी0पी0ओ0 द्वारा प्रगति मैदान नई दिल्ली में किया जाता है। बिहार सरकार भी अन्य राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों की भाँति अपने स्थायी मंडप से इस योजना में भाग लेती है। इस मेला का मुख्य उद्देश्य अपने स्थायी मंडप के माध्यम से राज्य में हस्तशिल्प एवं हस्तकरघा प्रक्षेत्र में उत्पादित सामग्री को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करते हुए एक सुदृढ़ विपणन की व्यवस्था को उपलब्ध कराना है। राज्य सरकार द्वारा सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थानों को अपने सामानों/उत्पादों की बिक्री एवं प्रदर्शनी हेतु निःशुल्क स्टॉल आवंटित किया जाता है। साथ ही साथ 14-27 नवम्बर के बीच एक दिन बिहार दिवस का भी आयोजन बिहार मंडप के माध्यम से किया जाता है जिसमें बिहार की सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाता है।

3-प्रवासी भारतीय दिवस :- इस योजना का प्रारम्भ वर्ष 1987 से किया गया। यह योजना प्रत्येक वर्ष जनवरी माह में प्रवासी भारतीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा किसी भी बड़े शहरों में आयोजित किया जाता है। इस वार्षिक आयोजन का मुख्य उद्देश्य प्रवासी भारतीयों को भारत/राज्य से जुड़ने, राज्य में निवेश कराने हेतु एक ग्लोबल प्लेटफार्म उपलब्ध कराना है। बिहार सरकार भी अन्य राज्यों की भाँति अपने मंडप (स्टॉल) के माध्यम से प्रवासी भारतीय को राज्य के विकास कार्यों/प्रगति से अवगत कराते हुए बिहार में पूँजी निवेश करने हेतु उत्साहित किये जाने का बहुत बड़ा प्लेटफार्म है।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला :- भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला का आयोजन प्रत्येक वर्ष दिनांक 14-27 नवम्बर तक वाणिज्य मंत्रालय, भारत सरकार के अधीनस्थ आईसीटीओ/आरओ द्वारा प्रगति मैदान नई दिल्ली में किया जाता है। बिहार सरकार भी अन्य राज्यों एवं क्षेत्र शामिल प्रदेशों की भाँति अपने स्थायी मंडप से इस योजना में भाग लेती है। इस मेला का मुख्य उद्देश्य अपने स्थायी मंडप के माध्यम से राज्य में हस्तशिल्प एवं हस्तकरघा क्षेत्र में उत्पादित सामग्री को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करते हुए एक सुवृद्ध विपणन की व्यवस्था को उपलब्ध कराना है। राज्य सरकार द्वारा सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थानों को अपने सामानों/उत्पादों की विपणन एवं प्रदर्शनी हेतु निशुल्क स्टॉल आवंटित किया जाता है। साथ ही वर्ष 14-27 नवम्बर के बीच एक दिन बिहार दिवस का भी आयोजन बिहार मंडप के माध्यम से किया जाता है जिसमें बिहार की सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाता है।

4- बिहार उत्सव- वित्तीय वर्ष 2009-10 में इस योजना का प्रारम्भ किया गया। राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ष 22 मार्च को बिहार स्थापना दिवस मनाने का निर्णय लिया गया है। वित्तीय वर्ष 2009-10 में इस योजना का प्रारम्भ सिर्फ नयी दिल्ली में किया गया, परन्तु वित्तीय वर्ष 2010-11 से इस योजना का प्रारम्भ दिल्ली एवं गाँधी मैदान, पटना में भी किया जा रहा है।

इस योजना का मुख्य उद्देश्य बिहार के गौरवशाली ऐतिहासिक उत्सव, सांस्कृतिक विरासत महापुरुषों की जीवनी, कला एवं पर्यटन के क्षेत्र में गौरवशाली समृद्धि को प्रदर्शन करने के साथ-साथ वर्तमान बिहार के प्रगतिशील एवं रोजगारोन्मुखी कार्यक्रम को प्रदर्शित करने के साथ-साथ आम जनों के मन में प्रगतिशील बिहार को स्थापित करने के संबंध में है।

इस आयोजन के अवसर पर सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थानों को निःशुल्क स्टॉल आवंटित करते हुए हस्तकरघा एवं हस्तशिल्प प्रक्षेत्र के विशिष्ट उत्पादों की प्रदर्शनी एवं बिक्री का भी आयोजन किया जाता है जिसका उद्देश्य इन्हें एक समृद्ध विपणन की व्यवस्था भी करना है।